क्विक हील का 'साई-फाई आर्ट फेस्टिवल'

महाराष्ट्र साइबर और विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजन

संवाददाता

पुणे. 'सिक्युरिंग फ्युचर्स (भविष्य सुरक्षित करना) के सीएसआर लक्ष्यों को रेखांकित करते हुए 'क्विक हील ने महाराष्ट्र साइबर (ज्ञान पार्टनर) और विश्वकर्मा विश्वविद्यालय (कार्यान्वयन पार्टनर) के सहयोग से 'साई-फाई आर्ट्स फेस्टिवल 2019 की घोषणा की है. विश्वकर्मा विश्वविद्यालय, पुणे कैम्पस में यह फेस्टिवल 16 नवंबर को होगा. फिल्म, थिएटर और टेलीविजन के क्षेत्र की जानी मानी हस्तियों मौजूद रहेंगी. राष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो.समर नखाते मुख्य अतिथि होंगे.

साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए युवा अभिव्यक्ति की शक्ति का उपयोग करके समाज पर एक स्थायी छाप बनाएं, इस उद्देश्य का साई - फाई कला महोत्सव कलात्मकता और रचनात्मकता का एक अनूठा उत्सव है. 'साइबर विश्व में 'मानव जीवन' विषय पर इस साल जोर दिया गया है. इस महोत्सव में विभिन्न कला रूपों जैसे लघु फिल्मों, भित्ति चित्रों, कहानियों और निबंधों के आविष्कार होंगे. देश भर में स्थापित और उभरती हुई सामग्री निर्माता रु 1.5 लाख के नकद पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे. इस अवसर पर क्विक हील टेक्नोलॉजीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश काटकर ने कहा कि आज, हम अपने जीवन को दो समानांतर दुनियाओं, भौतिक और आभासी के साथ जीते हैं.

■ व्यक्तियों, उद्योगों और सरकारी प्रतिष्ठानों के कामकाज में डिजिटल तकनीक का दायरा तेजी से बढ़ रहा है. हालांकि, बढ़ती डिजिटल पैठ के साथ, साइबर खतरे भी बढ़ रहे हैं.

■ साई-फाई आर्ट्स फेस्टिवल के माध्यम से साइबर सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाना यह हमारा लक्ष्य है. डिजिटल भविष्य को सुरक्षित करना और 'डिजिटल प्रथम राष्ट्र इसलिए भारत के लिए एक बड़ी नींव तैयार करना, इस पहल के पीछे यही दृष्टि है.'

डिजिटल भारत के लिये 'सिक्युरिंग फ्युचर्स पहल

महाराष्ट्र साइबर के पुलिस उप महानिरीक्षक, हरीश बैजल ने कहा कि महाराष्ट्र में देश में साइबर अपराधों की संख्या सबसे अधिक है. इस बढ़ती सुरक्षा चुनौती के सामने, हम साई-फाई आर्ट्स फेस्टिवल, 'क्विक हील' की सीएसआर पहल में भाग लेते हुए प्रसन्न हैं. देश तथा महाराष्ट्र में साइबर सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए यह एक बहुत ही उपयुक्त मंच है. डेटा,उपयोगकर्ता, संपर्क और संचार इससे उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने में मदद मिलेगी जो उन्हें साइबर खतरों से बचा सकती हैं, हम इस पर विश्वास करते हैं. विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ.सिद्धार्थ जबड़े ने कहा कि हमने पहले भी क्विक हील के साथ साझेदारी की है. भविष्य को सुरक्षित करने के लक्ष्य का समर्थन करने हेतु हमें उनके साथ फिर से साझेदारी करने पर गर्व है.

इस कार्यक्रम को हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, साई-फाई आर्ट्स फेस्टिवल वर्तमान डिजिटल अवतार मनोरंजन, शिक्षित करेगा और यह पूरे भारत में नागरिकों को भी सक्षम बनाएगा. प्रतिष्ठित परीक्षकों की एक समिति द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए प्रतियोगियों को 'साई-फाई आर्ट्स फेस्टिवल 2019' में भाग लेंगे, तथा 'डिजिटल फर्स्ट 'ब्रीद के साथ दर्शकों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रतियोगियों का मूल्यांकन भी किया जाएगा. यह कार्यक्रम स्नातक, स्नातकोत्तर और जूनियर कॉलेज के छात्रों के लिए उपलब्ध है; साथ ही पेशेवरों, स्वतंत्र श्रमिकों आदि के लिए भी खुला है.